क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

E-mail: krantisamay@gmail.com
संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 204, शनिवार, 18 अगस्त, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अलविदा: राजकीय सम्मान के साथ अटल पंचतत्व में विलीन

नई दिल्ली।

भारतीय राजनीति के युगपुरुष रहे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का शुक्रवार को यहां पारंपरिक विधि विधान तथा मंत्रोच्चार और गगनभेदी नारों के बीच पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया जिसके साथ ही उनका पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। राजधानी के शांतिवन के निकट राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर भारत रत्न वाजपेयी की दत्तक पुत्री नमिता भट्टाचार्य ने उनको मुखाग्नि दी और विधि विधान ग्वालियर से विशेष रुप से बुलाए गए पंडितों ने कराया शस्त्र दाग कर वाजपेयी को सलामी दी गई। इससे पहले राष्ट्रपति रामनाथ कोविद, उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा की अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा, रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण, थल सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल बी एस धनोआ और नौसेना प्रमुख एडमिरल सुनील लांबा ने वाजपेयी के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित किए। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिह और पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी ने वाजपेयी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद पार्थिव शरीर से लिपटा हुआ तिरंगा वाजपेयी की नातिन को सौंप दिया गया। इस मौके पर राज्यसभा में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद , बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी , समाजवादी पार्टी के नेता मुलायम सिह यादव, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत,अकाली दल के सुखबीर सिह बादल थे। शव यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री राजनाथ सिह, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष अमित शाह और कई केंद्रीय मंत्री तथा गणमान्य व्यक्ति कड़ी धूप और उमस भरे मौसम में भाजपा मुख्यालय, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग से लगभग सात किलोमीटर पैदल चलते हुए स्मृति स्थल पहुंचे। यह सभी वाहन के साथ साथ चल रहे थे। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिह चौहान, केंद्रीय मंत्री विजय , दिल्ली प्रदेश भाजपा के प्रमुख मनोज तिवारी और युवा सांसद अनुराग ठाकुर समेत कई अन्य नेता भी पैदल चल रहे थे। अंतिम संस्कार के समय स्मृति स्थल के आस पास जन समूह का सैलाब उमड़ पड़ा और वाजपेयी अमर रहे के नारों से आसमान गूंजने लगा। लाखों की तादाद में बच्चें, बूढे, स्त्रियां, युवक, किसान, कामगार तथा व्यापारी अपने प्रिय नेता की झलक देखने के लिए मौजूद थे। अंतिम यात्रा आईटीओ, दिल्ली गेट, दरियागंज होते हुए स्मृति स्थल पहुंची और रास्ते में दोनों ओर लाखों की संख्या में लोग खड़े थे और पुष्प वर्षा कर रहे थे तथा नारे लगा रहे थे। अंतिम यात्रा के लिए पूरे रास्ते में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गयी थी। मोदी के साथ एसपीजी के कमांडों पैदल चल रहे थे। वाजपेयी के पार्थिव शरीर को फूलों से सजे एक वाहन पर रखा गया था और वाहन पर रंग बिरंगी बड़ी छतरियां लगाई गई थी।

एचडी कुमारस्वामी की सरकार नेताओं के फोन टैप कर रही है

नेताओं के फोन टैप कर रही कर्नाटक सरकार : भाजपा

बेंगलुरू।

भाजपा की कर्नाटक इकाई ने गुरुवार को आरोप लगाया कि एचडी कुमारस्वामी की सरकार नेताओं के फोन टैप कर रही है क्योंकि उसे डर है कि कुछ असंतुष्ट विधायक सत्तारूढ़ कांग्रेस-जदएस गठबंधन से इस्तीफा दे सकते हैं। भाजपा महासचिव सी टी रवि ने बताया कि सरकार को अपने ही विधायकों और गठबंधन सहयोगियों पर विश्वास नहीं है और उसे चिंता है कि ये नेता उसे 'धोखा' दे सकते हैं। सत्तारूढ़ पक्ष के कुछ विधायकों के इस्तीफा देने की संभावना की रिपोर्ट को लेकर पूछे जाने पर रवि ने कहा, 'मेरी जानकारी के अनुसार सरकार अपने अधिकारियों और पुलिस विभाग के जरिए सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों ओर के नेताओं और विधायकों के फोन टैप कर रही है।' ऐसी रिपोर्ट है कि कांग्रेस पार्टी से कुछ असंतुष्ट विधायक भाजपा के संपर्क में हैं। उनकी मंशा सरकार गिराने की है और यह भगवा पार्टी के लिए सरकार बनाने के उसके दावे के लिए रास्ता तैयार करेगा। रवि ने कहा कि सरकार गिराने के लिए भाजपा को ऐसे प्रयासों की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि इसके लिए गठबंधन के अंदर पहले से ही तैयारियां चल रही हैं। उन्होंने कहा, 'गठबंधन विशेषकर कांग्रेस के कई नेता पहचान के संकट से गुजर रहे हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि गंठबंधन सरकार के बीच कोई समन्यव और विश्वास नहीं है।

गुजरात में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी

अहमदाबाद। छत्तीसगढ़ और सीमावर्ती महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के ऊपर बने वायुमंडलीय दबाव के असर से दक्षिण गुजरात तक एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना है जिसके असर से आज और परसो राज्य के दक्षिणी हिस्से के अलावा दक्षिण पूर्व सौराष्ट्र के कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा हो सकती है। मौसम केंद्र अहमदाबाद की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार आज भी दक्षिणी गुजरात के कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। शाम छह बजे तक वलसाड जिले के कपराडा में लगभग एक ईंच डांग आहवा में आधा ईंच वर्षा दर्ज की गई थी। उत्तर गुजरात में अरवल्ली के भिलोडा तथा साबरकांठा के इडर और खेडब्रह्मा में भी लगभग आधा ईंच वर्षा हुई थी। कल दक्षिण गुजरात के डांग, तापी, सूरत, भरूच, नर्मदा, छोटा उदेपुर में कुछ स्थानों पर भारी से अति वर्षा तथा नवसारी, वलसाड और निकटवर्ती केंद्र शासित क्षेत्र दमन और दादरा एवं नगर हवेली में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। इसी तरह सौराष्ट्र क्षेत्र के भावनगर, अमरेली, गिर सोमनाथ जिलों और निकटवर्ती केंद्र शासित प्रदेश दीव में भी कल कुछ स्थानो पर भारी से अति भारी वर्षा के चेतावनी जारी की गयी है। परसो यानी 18 अगस्त को नवसारी, सूरत, भरूच, दीव, गिर सोमनाथ, जूनागढ़, पोरबंदर, द्वारका और जामनगर में कुछ स्थानो पर भारी से अति भारी वर्षा हो सकती है।

राहुल गांधी ने वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के आवास पर पहुंचकर उनको श्रद्धांजलि दी। लंबी बीमारी के बाद कल शाम एम्स में वाजपेयी ने अंतिम सांस ली। वह 93 वर्ष के थे। पार्टी के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष कृष्णा मेनन मार्ग स्थित वाजपेयी के आवास पर सुबह करीब 8:45 बजे पहुंचे और दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले कल रात पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की थी। राहुल गांधी ने कल वाजपेयी के निधन पर दुख प्रकट करते हुए कहा था आज भारत ने अपना एक महान सपूत खो दिया। वाजपेयी जी को करोड़ों लोग स्नेह और सम्मान देते थे। उनके परिवार एवं चाहने वालों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। हम उनकी कमी महसूस करेंगे। सोनिया गांधी ने वाजपेयी के निधन पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि वाजपेयी जीवन भर लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खड़े रहे और यह प्रतिबद्धता उनके हर काम में परिलक्षित होती थी। मनमोहन सिंह ने कहा कि राष्ट्र के प्रति वाजपेयी की सेवाओ को लंबे समय तक याद किया जाएगा।

पुलिस कस्टडी में हुस्नपरी मनीषा दयाल ने दिखाए तेवर, कहा- मुंह खोलूंगी न, तो कोई नहीं बचेगा

पटना। आसरा गृह कांड से शुरू हुई हाई प्रोफाइल हुस्नपरी मनीषा दयाल के तेवर पुलिस कस्टडी में भी कम नहीं दिख रहे। पुलिस कस्टडी में मनीषा दयाल से मंगलवार को हुई पूछताछ में पहले तो वह चुपचाप बैठी रही लेकिन एक महिला पुलिसकर्मी ने जब कहा कि आप इशारों में कुछ न कहिए, साफ-साफ बोलिए ताकि आपका जवाब स्पष्ट हो। इतना सुनते ही मनीषा के तेवर बदल गए और वह अचानक खड़ी हो गई। सूत्रों की मानें तो मनीषा ने कहा कि ज्यादा सवाल मत पूछिए। मुंह खोलूंगी न, तो कोई नहीं बचेगा। मुझे पता है कौन क्या है। एक-एक की पोल...। मनीषा आगे बोलने ही वाली थी कि तब तक वहीं पर बैठे इस कांड के दूसरे आरोपित और मनीषा के चहेते चिरंतन ने उसे चुप कराने की कोशिश की। वह बार-बार मनीषा को धैर्य रखने और ज्यादा न बोलने को कह रहा था। पूछताछ के दौरान मनीषा के तेवर को देखकर पुलिसकर्मी भी दंग थे। समाज कल्याण विभाग और ब्यूरोक्रे सी से भी जुड़ रहे तार बता दें कि आसरा होम में 2 लड़कियों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में मनीषा दयाल और उसके साथी चिरंतन को गिरफ्तार किया गया है। लेकिन अब इस मामले की एक-एक कड़ी पुलिस ने खोलनी शुरू कर दी है। पता चला है कि इसके तार अब समाज कल्याण विभाग और स्थानीय नेताओं से लेकर ब्यूरोक्रेसी तक जुड़ गए हैं और इसकी केवल एक वजह है वह है हुस्न के मायाजाल में फंसाने वाली हाई प्रोफाइल सुंदरी मनीषा दयाल। सियासी गलियारों और कई अफसरों की धड़कनें हुईं तेज = पुलिस कस्टडी में मनीषा से पूछताछ हो रही है तो इससे सियासी गलियारों से लेकर उससे संपर्क रखने वाले कई अफसरों की भी धड़कनें तेज हो गई हैं। सबको यह डर है कि गलती से भी मनीषा ने किसी का नाम लिया तो बात बिगड़ सकती है। एक ओर जहां कुछ नेता भी इस प्रकरण पर नजर रख रहे हैं, वहीं कुछ अधिकारियों को भी परेशानी हो रही है।

अलगाववादी नेता गिलानी की तबियत खराब, अस्पताल में भर्ती

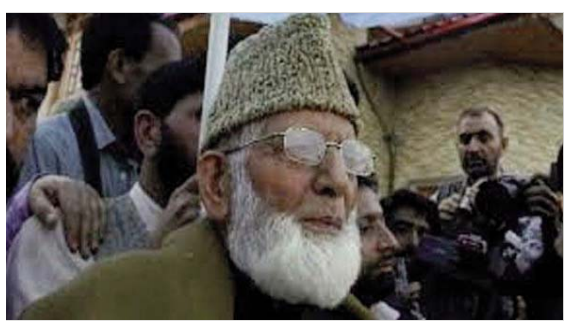

श्रीनगर।

हुर्रियत कान्फ्रेंस के वयोवृद्ध नेता सैयद अली शाह गिलानी की तबियत अचानक खराब होने के बाद उन्हे अस्पताल में भर्ती किया गया। उनके पारिवारिक सूत्रों ने जानकारी दी कि शुक्रवार सुबह अचानक से उन्हें शरीर में दर्द शुरू हुई जिसके बाद उन्हें फौरन श्रीनगर के स्टार अस्पताल में भर्ती कराया गया। गिलानी के डाक्टर डा. मीर सैमुल्लाह ने बताया कि उन्हें अबडामिनल दर्द की शिकायत थी। हमने उन्हें दर्दनिवारक दवाई दी है और अब वह बेहत्तर हैं। उन्हें अस्पताल से जल्द छुट्टी दे दी जाएगी। गौरतलब है कि गिलानी कट्टरवादी नेताओं में गिने जाते हैं। उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता है।

भारत में पैदा हुआ पहला पेंग्विन

नेशनल डेस्क।

मुंबई के वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान एवं चिड़ियाघर में नया मेहमान आया है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश की पहली पेंग्विन का जन्म हुआ जिसका नाम फीडम बेबी रखा गया। इसे तीन महीने तक विशेषज्ञों की निगरानी में रखा जाएगा। दो साल पहले थाईलैंड से आठ हम्बोल्ट पेंग्विन यहां लाईं गई थीं। इनमें तीन नर और पांच मादा थीं। इन्हें यहां लाने में करीब ढाई करोड़ रुपए खर्च किए गए थे । जू के निदेशक संजय त्रिपाठी ने बताया कि पैदा हुई पेंग्विन ऐक्टिव है और उसकी मां उसे भोजन खिलाने की कोशिश भी कर रही है। बता दें कि थाईलैंड से लाए गए एक हम्बोल्ट पेंग्विन ने 5 जुलाई में अंडा दिया था। 40 दिन से ये जोड़ा इस अंडे की देखभाल कर रहा था। हालांकि विशेषज्ञों को इस बात का डर था कि कहीं इस अंडे के अंदर भ्रूण बना ही न हो। कई बार अगर अंडा निशेचित नहीं होता है तो उसके अंदर भ्रूण नहीं होता है लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ और पेंगुइन का जन्म हो गया। अधिकारी ने इस चूजे का एक वीडियो भी जारी किया है जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल

हो रहा है। बता दें कि हम्बोल्ट पेंग्विन को जू में लाए जाने पर कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसका विरोध किया था। उनका तर्क था कि हम्बोल्ट पेंग्विनके लिए जू की जलवायु उपयुक्त नहीं है। इसके बाद चड़ियाघर ने पेंग्विन को रखने के लिए खास इंतजाम कएि थे।

संक्षिप्त समाचार

कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी

श्रीनगर । कुपवाड़ा के नौगाम सेक्टर में गुरुवार को शुरू हुई मुठभेड़ अभी भी जारी है। इस मुठभेड़ में वीरवार को चार जवान घायल हुए। वहीं बांडीपुरा के हाजिन इलाके में मुठभेड़ के दौरान शरारती तत्वों द्वारा सुरक्षाबलों पर किए गए पथराव की आड़ में चार आतंकी कथित तौर पर बच निकले। लेकिन पूरे इलाके में तनाव और हिंसक झड़पों को देखते हुए संबधित प्रशासन ने इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया है। हाजिन बांडीपोर के मीर मोहल्ले में आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर सेना और पुलिस के एक संयुक्त कार्यदल ने तलाशी अभियान चलाया। वहां लश्कर के चार आतंकियों के छिपे होने की सूचना थी। सुरक्षाबलों ने जैसे ही एक जगह आतंकियों को घेरा, मुठभेड़ शुरू हो गई। लेकिन इसके साथ ही पूरे इलाके में राष्ट्रविरोधी नारेबाजी के साथ जुलूस शुरु हो गए। बड़ी संख्या में युवक मुठभेड़ स्थल पर जमा होने लगे और उन्होंने आतंकियों को सुरक्षित भगाने के लिए पथराव किया। सुरक्षाबलों ने पहले तो संयम बनाए रखा। लेकिन जब पथराव की तीव्रता बडने लगी तो पुलिस कर्मियों ने भी आंसू गैस और लाठियों का इस्तेमाल कर भीड़ को खदेडने का प्रयास किया। इसके बाद वहां हिंसक झड़पों का दौर शुरु हो गया। हालांकि अधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हो पाई है। लेकिन संबधित सूत्रों ने दावा किया है कि हिंसक झड़पों के दौरान चारों आतंकी भाग निकले हैं। संबधित प्रशासन ने पूरे इलाके में घेराबंदी को सख्त करते हुए अफवाहो पर काबू पाने के लिए इंटरनेट सेवाओं के भी बंद कर दिया है।

मणिपुर विश्वविद्यालय का आंदोलन कल से स्थगित करने पर सहमति

इंफाल। मणिपुर विश्वविद्यालय में 75 दिनों से चल रहे आंदोलन को लेकर संबंधित पक्षों के बीच आज समझौता हुआ जिसके बाद कल से आंदोलन को स्थगित करने पर सहमति बनी। छात्र विश्वविद्यालय के कुलपति ए पी पांडे को हटाने और उनके विरुद्ध लगे प्रशासनिक एवं वित्तीय खामियों के आरोपों की जांच के लिए स्वतंत्र जांच समिति के गठन की मांग कर रहे हैं। मीडिया के पास उपलब्ध सहमति पत्र की प्रति के अनुसार आंदोलन स्थगित करने का फैसला 14 अगस्त से लगातार कई दौर की बातचीत होने के बाद किया गया है। इस सहमति पत्र पर केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव जी सी होसुर, मणिपुर सरकार के आयुक्त (उच्च एवं तकनीकी शिक्षा) और आंदोलनरत निकायों के प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर है। उसके अनुसार कल आधिकारिक आदेश जारी होने के बाद आंदोलन अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया जाएगा। यह आंदोलन 30 मई को शुरु हुआ था और उसकी अगुवाई मणिपुर विश्वविद्यालय छात्रसंघ, मणिपुर शिक्षक एसोसिएशन, मणिपुर कर्मचारी एसोएशिन कर रहे थे। मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने कल वादा किया था कि गतिरोध 2-3 दिनों में दूर हो जाएगा।

सर्व स्वीकृत नेता थे वाजपेयी: भागवत

नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने आज पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को एक सर्व स्वीकृत नेता करार दिया जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में भारतीय मूल्य कायम किए। भागवत ने आरएसएस के ट्विटर हैंडल का इस्तेमाल करते हुए ट्वीट किया वाजपेयी एक प्रखर दृढ एवं सर्व स्वीकृत नेता और महान व्यक्तित्व थे जिन्होंने भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों को राष्ट्र जीवन में प्रतिष्ठित किया। उन्होंने कहा कि वाजपेयी के निधन से पैदा हुई शून्यता हमेशा बनी रहेगी। भागवत ने कहा दिवंगत नेता को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने में हम राष्ट्र के साथ हैं। गौरतलब है कि आज शाम वाजपेयी (93) का दिल्ली स्थित एम्स में निधन हो गया।

केरल में भारी बारिश से अब तक 102 लोगों की मौत, 14 जिलों में रेड अलर्ट

नई दिल्ली।

केरल में भारी बारिश से मरने वालों की संख्या 102 हो गई है। पिछले दो दिनों में राज्य में कुल 78 लोगों ने अपनी जान खोई है। भारी बारिश और पेरियार नदी पर बने बांध का फाटक खोलने से कोच्चि हवाई अड्डे में पानी घुस गया। इसके बाद हवाई अड्डे को शनिवार तक के लिए बंद कर दिया गया। इसके अलावा यहां मैट्रो सेवा व रोडवेज सर्विस भी रोक दी गई है। वहीं प्रदेश में बाढ़ के हालात को देखते हुए सभी 14 जिलों में रैड अलर्ट घोषित कर दिया गया है। राज्य में मरने वालों की संख्या 67 से बढ़ कर 95 हो गई है। आज सुबह पल्लकम में भूस्खलन से 7 लोगों की मौत की खबर है। भूस्खलन में फंसे 3 लोगों को बचा लिया गया है। उधर सेना ने मलमपुझा के वालियक्काडु गांव में एक 35 फुट लंबे ब्रिज पर फंसे करीब 100 लोगों को बचाया। इसमें बच्चे और वरिष्ठ नागरिक शामिल थे। बाढ़ की वजह से लोग अपने घर छोड़ सुरक्षित ठिकानों पर जा रहे हैं। चेंगन्नूर की हालत भी बदतर बनी हुई है। यहां पूरे शहर में पानी घुस चुका है। मॉल, पैट्रोल पम्प सब कुछ पानी में डूब चुका है। भारतीय नौसेना ने त्रिचुर, अलूवा और मवूत्तुपुझा में फंसे हुए लोगों को हवाई मार्ग से निकाला है। वीडियो में दिखाया गया है कि लोग जलमग्न घरों की छतों और पहाड़ों पर हैं तथा नौसेना हेलीकॉप्टरों के जरिए निकाल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों पर रक्षा मंत्रालय ने राज्य में राहत और बचाव कार्य के लिए सेना की तीन इकाइयों की नयी टीमें भेजी हैं। राज्य में 1.5 लाख से ज्यादा बेघर और विस्थापित लोग राहत शिविरों में हैं। सूत्रों ने बताया कि राज्य के 14 जिलों में से एक को छोड़ कर सभी हाई अलर्ट पर हैं। मोदी ने केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन से फिर बात की और स्थिति से निपटने में केंद्र की मदद का उन्हें आश्वासन दिया। मोदी ने ट्वीट किया,''हम ने राज्य में बाढ़ की स्थिति पर चर्चा की। रक्षा मंत्रालय से कहा है कि राज्य में बचाव एवं राहत अभियानों को और बढ़ाए। केरल के लोगों की सुरक्षा और सलामती की प्रार्थना करता हूं।'' राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के करीब 540 कर्मियों की 12 सीटों को भी केरल भेजा गया है। राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) ने केरल में करीब एक सदी में आई सबसे भीषण बाढ़ की वजह से तेजी से बिगड़ती स्थिति की समीक्षा के लिए नयी दिल्ली में बैठक की। कैबिनेट सचिव पीके सिन्हा की अध्यक्षता में हुई बैठक में थल सेना, नौसेना और वायु सेना प्रमुखों के अलावा, गृह, रक्षा सचिवों समेत अन्य शीर्ष अधिकारियों ने शिरकत की। स्थिति की गंभीरता पर संज्ञान लेते हुए उच्चतम न्यायालय ने मुल्लापेरियार बांध की आपदा प्रबंधन समिति को आदेश दिया है कि बांध में जलस्तर को तीन फुट घटा कर 139 फुट पर लाने का तत्काल फैसला करे। कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने आज सभी सेवाओं की निलंबन की अवधि 26 अगस्त दोपहर दो बजे तक के लिए बढ़ा दी है। हवाई अड्डे के अधिकतर हिस्से में पानी भर गया है। कोच्चि मेट्रो की सेवाएं भी कुछ वक्त के लिए बाधित हुई क्योंकि मुत्तम यार्ड में जलस्तर बढ़ गया था। बाढ़ की वजह से रेल सेवा भी प्रभावित हुई है। दक्षिणी रेलवे ने एक बयान में बताया है कि 25 ट्रेनों को या तो रद्द किया गया है या उनके वक्त में बदलाव किया गया है। कुछ नगरों और गांवों में पानी का स्तर दो मंजिला मकानों की ऊंचाई तक पहुंच गया जिसके बाद बच्चों और बुजुर्गों समेत सैकड़ों लोगों को छतों पर शरण लेनी पड़ी और सोशल मीडिया में बचाव और राहत के लिए अपील करनी पड़ी।

विजयन ने तिरूवनंतपुरम में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राज्य ने इस तरह की स्थिति का कभी सामना नहीं किया। हम वो सभी कुछ कर रहे हैं जो मानवीय तौर पर संभव है और बचाव प्रयास जारी हैं। उन्होंने लोगों से दहशत में नहीं आने कहा। उन्होंने कहा कि लोगों को सुरक्षित रखने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य की कैबिनेट ने अतिरिक्त संसाधन जुटाने के लिए भारत निर्मित विदेशी शराब पर 30 नवंबर तक उत्पाद शुल्क बढ़ाने का फैसला किया है ।

संपादकीय

विराट व्यक्तित्व की विदाई

हाल के भारतीय इतिहास की सबसे लोकप्रिय और सर्व स्वीकार्य राजनीतिक शख्सियत अटल बिहारी वाजपेयी का अवसान एक ऐसे राजनेता की विदाई है जो जननायक के साथ-साथ महानायक की छवि से लैस हो गए थे। उनके निधन के साथ ही नेताओं की वह पीढ़ी ओझल होती दिखती है जिसने खुद को नेता से राजनेता यानी स्टेट्समैन में तब्दील कर लिया था। बीमारी के कारण वह एक अर्से से राजनीतिक तौर पर निष्क्रिय थे, लेकिन वह अपनी उपस्थिति का आभास कराते थे। इसका कारण यही था कि वह राजनीतिक जीवन में सक्रिय लोगों के लिए एक प्रेरक उदाहरण बन गए थे। यह उनके विराट व्यक्तित्व का ही प्रभाव था कि उनकी मिसाल उनके विरोधी भी देते थे। आज जब यह अकल्पनीय है कि दूसरे दलों के लोग किसी अन्य दल के शिखर पुरुष का उल्लेख उसकी प्रशंसा करते हुए करें तब अटल बिहारी वाजपेयी का जाना एक राष्ट्रीय क्षति है। इस क्षति का अहसास इसलिए कहीं गहरा है, क्योंकि उनके जैसे समावेशी राजनीति के शिल्पकार दुर्लभ हैं। वह कितने विरले थे, यह इससे प्रकट होता है कि आज उनके जैसा भरोसा पैदा करने वाला नेता दूर-दूर तक नहीं नजर आता। उनके यश की कीर्ति जिस तरह फैली उसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। उनकी लोकप्रियता दलगत सीमाओं से परे पहुंच गई थी तो केवल इसलिए नहीं कि वह भाजपा के कद्दावर नेता थे और उनकी भाषण शैली सभी को मंत्रमुग्ध करती थी। इसके साथ-साथ वह उस राजनीति के वाहक भी थे जिसके कुछ मूल्य और मर्यादाएं थीं। भाजपा के शीर्ष नेता के तौर पर वह स्पष्ट तौर पर यह कहते थे कि हम एक राजनीतिक दल हैं और सत्ता में आना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने यह भी साबित किया कि सत्ता ही सब कुछ नहीं है। आखिर कौन भूल सकता है उस क्षण को जब उनकी सरकार एक वोट से गिरी थी? यह इसीलिए गिरी थी, क्योंकि तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष ने विरोधी दल के एक ऐसे सांसद को भी मतदान में भाग लेने की अनुमति दे दी थी जो मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके थे। अटल बिहारी वाजपेयी ने इस फैसले का प्रतिवाद नहीं किया। इस प्रसंग के पहले उनकी 13 दिन की सरकार के विश्वास मत के समय उनका संबोधन कालजयी इसीलिए बना कि उन्होंने सत्ता के लिए किसी भी सीमा तक जाने वाली राजनीति की राह पकड़ने से इन्कार किया। 1आम के साथ-साथ खास लोग उन्हें सुनने के लिए इसलिए लालायित नहीं रहतेथे कि वह उस दौरान हास-परिहास भी करते थे। वह अपने संबोधन के जरिये लोगों के मर्म को भी छूते थे और नीतियों और नजरिये को नई धार भी देते थे। जब यह स्थापित मान्यता थी कि कश्मीर समस्या का समाधान तो संविधान के दायरे में ही संभव है तब उन्होंने कश्मीरियत, जम्हूरियत और इंसानियत का मंत्र दिया। अटल जी भले ही स्थापित परंपराओं को पुष्ट करने वाले राजनेता के तौर पर जाने जाते हों, लेकिन उन्होंने नए प्रतिमान गढ़े और नई परंपराओं की आधारशिला रखी। उन्होंने न केवल गठबंधन राजनीति को बल और संबल प्रदान किया, बल्कि विदेश नीति को भी नया आयाम दिया। तमाम कटुता भुलाकर उन्होंने एक राजनेता की तरह व्यवहार किया और कारगिल के खलनायक परवेज मुशर्रफ को वार्ता की मेज पर आने का अवसर दिया।

जाना एक अजातशत्रु का

अटल जी/ जवाहरलाल कौल

अपनी बात पूरी ताकत से कहना और दूसरों की बात मन लगा कर सुनना यही उनके संवाद की खासियत थी। इसलिए केवल राजनीतिक कार्यकर्ता ही नहीं, नौकरशाह भी अटल जी को पसंद करते थे क्योंकि उनके अनुसार अपनी बात उन्हें समझना और राजनैतिक नेताओं की तुलना में अधिक सहज था। अटल जी ने व्यावसायिक राजनैतिक नेता न होने पर भी एक नए राजनैतिक युग को जन्म दिया। अगर किसी ने कांग्रेस के वंशवाद में गहरी सेंध लगाई तो वे अटल ही थे।

दिल्ली आने पर एक पत्रकार के रूप में मैंने पहली बार राज्य सभा में अटल बिहारी वाजपेयी को बोलते देखा-सुना। उन दिनों इस सदन में देश के वे प्रखर वक्ता और नेता हुआ करते थे। दक्षिण में हिंदी विरोध की लहर चल रही थी और राज्य सभा में आज उसी पर बहस होने वाली थी। सदन में अनेक अनुभवी सांसदों की तर्कबुद्धि के सामने अपने आपको अनुभवहीन बताते हुए नवयुवक अटल बिहारी ने धारदार वाणी में हिंदी की वकालत की तो उसका उत्तर देने के लिए दक्षिण में द्रविड़ राजनीति के जनक अन्नादुरै खड़े हो गए। उन्होंने कहा कि मुझे हिंदी का सब से बड़ा शत्रु प्रचारित किया जा रहा है, लेकिन इस युवक ने जिस मनोहर शैली में अपनी बात हमारे सामने रखी उसके पश्चात मैं या और कोई भी उसका शत्रु कैसे हो सकता है! सदन तालियों से गूंज उठा और अटलजी अन्ना की ओर मुस्कुराते देखते रहे। उन्होंने आरम्भ से ही अपनी राजनीत का यह सिद्धांत बना लिया था कि राजनीति में विरोध और आलोचना तो स्वाभाविक है। लेकिन शत्रुता के लिए इसमें कोई स्थान नहीं है। आज अटल जी एक लम्बी लड़ाई के पश्चात इस जगत को विदा करके चले गए तो अनायास ही लगता है कि उनकी मौत उनके सिद्धांतों और मान्यताओं की अमरता का ही प्रमाण है। वे दरअसल राजनैतिक नेता नहीं थे, उस राजनीति के नहीं जिसमें आज हम जीते हैं। यह राजनीति सम्भावनाओं का खेल है जिसमें उपलब्धियों का पूरा-पूरा हिसाब-किताब रहता है। लेकिन अटलजी तो गणित लगा कर नहीं बोलते थे। कोई काम नफा-नुकसान देख कर नहीं करते थे। वे केवल मन से बोलते थे, करते थे। मन मानव द्वारा खड़ी की गई अनेक बाधाओं, दीवारों को लांघ कर न जाने कहां-कहां तक जाता है और कितनों के मनों को छू लेता है। इसलिए अगर हम उनके हर कार्य और हर नीति को राजनैतिक उपलब्धियों के पैमाने पर तौलने बैठ जाएं तो हमें लगेगा कि अटल जी के नाम पर भी उतनी ही राजनैतिक उपलब्धियां हैं, जितनी आम राजनैतिक नेता की होती है।भारत को स्वाभाविक शत्रु मानने वाले पाकिस्तान के साथ मित्रता का माहौल बनाने केलिए वाजपेयी ने कई कदम उठाए लेकिन परिणाम वह नहीं निकला जो अटल जी उम्मीद करते थे। उलटे देश को करगिल का युद्ध झेलना पड़ा। कश्मीर के विभिन्न वर्गों में सहमति बनाने के लिए उन्होंने अथक प्रयास किए और दोस्ती के लिए इतना आगे बढ़े जितना और कोई प्रधानमंत्री नहीं गया था। लेकिन वे परिणाम नहीं निकले जिनकी आवश्यकता थी। किंतु आज उसी पाकिस्तान के नेता मानते हैं कि हमको उनका हाथ पकड़ना चाहिए था। हम इस गलतफहमी में रहे कि आगे कोई और बेहतर सम्झौता हो जाएगा। वे भी वाजपेयी युग को भारत पाक रिश्तों के लिए सबसे अनुकूल युग मानते हैं। जम्मू-कश्मीर में आज महबूबा अटलजी की नीतियों की ही दुहाई देती है। वे ही नहीं, उनके विरोधी दलों के लिए भी अटल जी ही आदर्श प्रधानमंत्री रहे हैं। व्यावसायिक राजनीति की प्रतिस्पर्धा में बहुत से लोग अपने ही उस मन की बात भी नहीं सुन पाते क्योंकि वह उतना अच्छा सौदा नहीं दिखाई देता। अटल जी का मन अपने दल या प्रशंसकों से पूछ कर नहीं चलता था। जब उन्हें लगा कि किसी विरोधी दल के नेता ने कोई अच्छा काम किया है तो वे सार्वजनिक तौर उसकी प्रशंसा करने से नहीं चूकते थे। 1971 में बांग्लादेश की मुक्ति के युद्ध में भारत की शानदार जीत को अटल जी का मन कैसे नहीं आनंदित होता और उसमें इंदिरा गांधी की भूमिका को कैसे नहीं सराहता? कवि-मन को दुर्गा की याद आई तो बहुतों को लगा कि अटल जी आवश्यकता से अधिक उदार होते जा रहे हैं। जब कई अवसरों पर उन्हें लगा कि उनके अपने दल के कुछ लोग सही काम नहीं कर रहे हैं तो वे टोकने-रोकने से नहीं हिचकिचाए।लेकिन जो कवि मन मानवीय मूल्यों और मर्यादाओं के लिए सदा आवाज उठाता था, वही अपने देश और अपनी मान्यताओं की रक्षा के लिए शौर्य आग्रह भी करता था। पोखरण में परमाणु बम का भूमिगत परीक्षण एक जोखिम भरा कदम था। यह न केवल पाकिस्तान को चुनौती थी अपितु शक्तिशाली अमेरिका को भी थी क्योंकि अमेरिका उस युग में भारत के परमाणु कार्यक्रम के विरुद्ध था। अमेरिकी चौकसी से बचना बहुत कठिन काम था। लेकिन उन्हें लगा कि दूसरों की सुरक्षा पर निर्भर रहकर दयनीय स्थिति से निकलना आवश्यक है। इस कदम से केवल भारतीय सुरक्षा मजबूत ही नहीं हो गई अपितु यह पश्चिमी टेक्नॉलाजी के चंगुल से बाहर आने की शुरुआत भी थी। तब बहुत से लोगों ने अटल जी की आलोचना की क्योंकि उन्होंने अमेरिका जैसे देश को नाराज किया था। लेकिन अपनी तकनीक विकसित करने के लिए इस खतरे को सहना आवश्यक था। अपनी बात पूरी ताकत से कहना और दूसरों की बात मन लगा कर सुनना यही उनके संवाद की खासियत थी। इसलिए केवल राजनीतिक कार्यकर्ता ही नहीं, नौकरशाह भी अटल जी को पसंद करते थे क्योंकि उनके अनुसार अपनी बात उन्हें समझना और राजनैतिक नेताओं की तुलना में अधिक सहज था। अटल जी ने व्यावसायिक राजनैतिक नेता न होने पर भी एक नए राजनैतिक युग को जन्म दिया। अगर किसी ने कांग्रेस के वंशवाद में गहरी सेंध लगाई तो वे अटल ही थे। पहली बार विभिन्न मतों के दलों को साथ लेकर पूरी अवधि की सरकार चला कर दिखा दिया कि टिकाऊ सरकार गठबंधन सरकार की भी हो सकती है। बशत्रे उसका नेतृत्व विश्वसनीय हाथों में हों। आज जब वे नहीं रहे तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि विपक्षी एकता का ग्राफ कई प्रयोगों के बावजूद इतना नीचे क्यों हैं? विभिन्न दलों के बीच, जहां व्यक्तिगत ही नहीं, जातिगत आग्रह बहुत गहन हैं, किसी एक नेता के नेतृत्व का स्वीकार इतना कठिन क्यों हैं? ऐसे अवसर पर यही मानना होगा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में अगर कोई सर्वमान्य नेता रहा है तो वह अटल ही थे। अटल जी का स्वभाव बाल-सुलभ था, उनका व्यवहार संवाद था और वे मानते थे कि जब देश या मानवीय हितों का तकाजा हो तो झुक कर भी जीता जा सकता है। अटल बिहारी वाजपेयी एक बड़े नेता के रूप में याद किये जाएंगे ही, लेकिन हमारे देश के लिए एक युगपुरुष के नाते उनकी छवि और स्मृति सदा रहेगी।

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

बेहतर व्यापार नीतियों की आवश्यकता

शंकर आचार्य

विगत कुछ वर्षों के दौरान दो बड़े आर्थिक सुधार हुए हैं। पहला देशव्यापी एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी और दूसरा ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवालिया संहिता (आईबीसी)। वहीं दूसरी ओर इस अवधि में रुपये की वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) में लगातार तेजी आई है और उच्च सीमा शुल्क दर देखने को मिली है। मैंने अपने पिछले आलेख में लिखा था कि आरईईआर में जनवरी 2014 और जनवरी 2018 के बीच 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है जिसने हमारे निर्यात को काफी नुकसान पहुंचाया होगा। वर्ष 2017-18 में गैर तेल निर्यात गिरकर जीडीपी के मात्र 10.2 फीसदी के बराबर रह गया है जो 15 वर्ष का सबसे निचला स्तर है। इसके अलावा व्यापार घाटा तथा चालू खाते का घाटा तेजी से बढ़ रहा है। रुपये के इस अधिमूल्यन ने वस्तुओं एवं सेवाओं के आयात में बढ़ोतरी को गति प्रदान की और हमारे नेता-बाबू वर्ग और घरेलू उद्योग जगत को संरक्षणवाद की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया। ये बातें कतई चकित नहीं करतीं क्योंकि रुपये के मूल्य में 20 फीसदी का इजाफा होना हर तरह के निर्यात पर 20 फीसदी कर लगने और आयात में 20 फीसदी की सब्सिडी के समान है। सरकार और आरबीआई ने ऐसा क्यों होने दिया यह अपने आप में रहस्य है। निश्चित रूप से बीते एक वर्ष के दौरान उच्च संरक्षणवादी शुल्कों (टैरिफ) ने सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता को प्रभावित किया है। प्रतिबद्धता यह जताई गई थी कि शुल्क दरों को पूर्वी एशियाई देशों के उन स्तर पर लाया जाएगा जो सन 1991 से मौजूद थे। उच्च संरक्षण शुल्क की दिशा में पेशकदमी की शुरुआत सन 2016 में हुई और इस फरवरी में प्रस्तुत बजट में यह चरम पर पहुंच गई। मैंने फरवरी में भी यह बात लिखी थी कि विविध जिंसों पर आयात शुल्क बढ़ाने का पश्चवर्ती प्रभाव वाला प्रस्ताव बहुत महत्वपूर्ण है। इन जिंसों में वाहन और उनके कलपुर्जे, मोबाइल फोन तथा उनके कलपुर्जे, कुछ प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और तेल, सौंदर्य प्रसाधन, जूते-चप्पल, फर्नीचर, कलाई घड़ी और दीवार घड़ी, खिलौने और खेल के सामान आदि शामिल हैं। जैसा कि जेटली ने खुद कहा भी, इससे 20 वर्ष से अधिक समय से चली आ रही आयात शुल्क कमी की स्थिति समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए ऐसा करना आवश्यक है। सच तो यह है कि कई दशकों का वैश्विक अनुभव और हमारा अपना आर्थिक इतिहास यह दिखाता है कि शुल्क संरक्षण बहुत बुरा असर डालता है। अतीत में ऐसे कदमों ने गैर किफायती माहौल बनाया, घरेलू लागत बढ़ाई, निर्यात को नुकसान पहुंचाया, कई अन्य क्षेत्रों में शुल्क बढ़ाने का माहौल बनाया और कारोबारी साझेदारों की ओर से विरोध को आमंत्रित किया। कुल मिलाकर इससे किफायती और प्रतिस्पर्धी विनिर्माण क्षेत्र को नुकसान पहुंचा। यह बात प्रधानमंत्री द्वारा दावोस में संरक्षणवाद की तीखी आलोचना से मेल नहीं खाती है। बल्कि इससे उस प्रतिबद्धता पर भी बुरा असर पड़ सकता है जो हमने हाल ही में आसियान देशों तथा क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी वाले देशों के साथ मजबूत व्यापारिक और आर्थिक रिश्तों को लेकर जताई है। अनुमान के मुताबिक ही शुल्क वृद्धि ने कई उत्पाद श्रेणियों को प्रभावित किया। जुलाई में कपड़ा एवं वस्त्र क्षेत्र की 70 से अधिक वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाया गया। अगस्त में इसी क्षेत्र की 328 अन्य वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाने की अधिसूचना जारी हुई। इस माह के आरंभ में सरकार ने एक उच्च स्तरीय कार्यबल का गठन किया ताकि उन उत्पादों और नीतिगत हस्तक्षेपों की पहचान की जा सके जो आयात पर निर्भरता कम कर सकें। यह समिति कैबिनेट सचिव के अधीन गठित की गई है। पिछले दिनों की कारोबारी खबरों के मुताबिक कई टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं मसलन टेलीविजन, वॉशिंग मशीन और फ्रिज आदि पर ऐसा ही शुल्क लगाया जा सकता है। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष और विदेश व्यापार नीति के जाने माने विशेषज्ञ प्रोफेसर अरविंद पानगड़िया यह दलील देते रहे हैं कि आयात में रियायत का मौजूदा रुख अथव्यवस्था को कमजोर स्थिति की ओर ले जाएगा। शुल्क में बढ़ोतरी से आयात में कमी आएगी लेकिन निर्यात भी कमजोर होगा। 80 वर्ष से भी ज्यादा पहले अर्थशास्त्री अब्बा लर्नर ने कहा था कि आयात पर लगने वाला कर निर्यात पर कर लगाने जैसा ही है। दलील एकदम साफ है। आयात शुल्क कीमतों और मुनाफे में अंतर पैदा करता है। शुल्क बढ़ाने से घरेलू उत्पादकों का मुनाफा बेहतर होता है। अगर यह शुल्क स्टील, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के कलपुर्जों या कपड़े से जुड़े कच्चे माल पर लगता है तो निर्यात की लागत भी बढ़ जाती है और आयात प्रतिस्पर्धी उत्पादन की लागत भी। इस तरह पूरा उद्योग ही उच्च लागत वाला बन जाता है। संक्षेप में कहें तो आयात शुल्क और निर्यात कर दोनों ही कारोबार को हतोत्साहित करते हैं। जरूरी नहीं कि ये व्यापार घाटे को कम करें। ये विनिर्माण क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा को कतई बढ़ावा नहीं देते। इतना ही नहीं व्यापार (खासतौर पर निर्यात) की उच्च वृद्धि आमतौर पर राष्ट्रीय उत्पादन में उच्च वृद्धि और रोजगार से संबद्ध होती है। सन 1950 से 1980 के दशक के बीच जब देश की व्यापार वृद्धि धीमी थी तब हमारी आर्थिक वृद्धि की वार्षिक दर औसतन 4 फीसदी से कम थी। सन 1991 के बाद से उच्च व्यापार वृद्धि के दौर (सन 1992 से 1997 और 2003 से 2011) में आर्थिक वृद्धि की दर भी बहुत तेज रही। अगर शुल्क वृद्धि कम व्यापार घाटे और प्रतिस्पर्धी विनिर्माण क्षेत्र के लिए गलत है तो फिर सरकार और आरबीआई आखिर किन वैकल्पिक नीतियों को आगे बढ़ा सकते हैं? उन्हें रुपये के भारी भरकम अधिमूल्यन को कम करना होगा। जनवरी 2014 से जनवरी 2018 के बीच रुपये का अधिमूल्यन होने देना गलत नीति थी। कुछ हद तक देखा जाए तो पिछले कुछ महीनों में अवमूल्यन हो भी रहा है। बाहरी भुगतान की स्थिति दबाव में है क्योंकि निर्यात में ठहराव है और आयात बढ़ रहा है। यह गिरावट जारी रहनी चाहिए। भारी भरकम विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल रुपये के अवमूल्यन में किया जाना चाहिए। इससे दोनों लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। बेहतर विनिमय दर नीति को अपनाने से बड़े क्षेत्रीय व्यापार समझौतों में हमारी भागीदारी सुधारने में भी मदद मिलेगी। खासतौर पर रीजनल कांप्रिहेंसिव इकनॉमिक पार्टनरशिप (आरसीईपी)। संरक्षणवाद समर्थक घरेलू लॉबियों को आरसीईपी से कोई लगाव नहीं है। उन्हें लगता नहीं कि आज की तारीख में इनका कोई महत्व है। डब्ल्यूटीओ आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था पहले ही खतरे में पड़ चुकी है। ऐसे में आरसीईपी में भागीदारी दीर्घावधि के दौरान देश की अंतरराष्ट्रीय व्यापार और समृद्धि को अहम संरक्षण प्रदान कर सकती है। इनसे बाहर रहना दीर्घावधि में हमारे हित में नहीं होगा।

विचार मंथन

लोककथाओं की परंपरा और मूल्यों की पाठशाला

सदानंद शाही प्रोफेसर, काशी हिंदू विश्वविद्यालय

कभी दादी और नानी की सुनाई कहानियों में छिपे होते थे मानव मूल्य। अब कहीं इनकी चर्चा नहीं होती। सभ्य और विकसित होने के क्रम में मनुष्य ने आपसी व्यवहार के जो मानक बनाए, जो आदर्श निश्चित किए हैं, वे ही मानव मूल्य कहे जाते हैं। मुद्रण और लेखन कला के विकास के पूर्व इन मूल्यों के हस्तांतरण का सबसे विश्वस्त तरीका स्मृति और मौखिक आख्यान ही थे। दादी-नानी के मुंह से बचपन में सुनी कहानियां एक तरह से लोक शिक्षण का काम करती रही हैं। लोक कथाओं में सुखी जीवन की सामूहिक आकांक्षा भरी होती है। सुखी जीवन की यह कामना 'निजी' तक सीमित नहीं होती। जो कमजोर और साधनहीन हैं, लोक उनके सुख की भी कामना करता है। चिड़िया और दाल का दाना कहानी मनुष्य की अपराजेय जिजीविषा का आख्यान है। यह कहानी अनेक जनपदीय भाषाओं में थोड़े-बहुत फेरबदल के साथ मिलती है। एक चिड़िया कहीं जा रही थी। रास्ते में उसे चने का दाना मिला। वह जांत में दलकर दाल बनाने गई। चने की दो दालें तो हो गईं, लेकिन वे खूंटे में फंस गईं। चिड़िया की तमाम कोशिशों के बावजूद दाने नहीं निकले। उसकी समस्या यह है कि अब वह क्या खाए, क्या पीए, क्या ले परदेश जाए? वह दानों को निकलवाने के लिए जान लड़ा देती है। वह अपनी गुहार लेकर बढ़ई, राजा, रानी, सांप, लाठी, आग, समंदर, हाथी, रस्सी, चूहे और बिल्ली तक की यात्रा करती है और अंत में दाल का दाना निकलवाकर दम लेती है। खूंटे में फंसे दाल के दाने चिड़िया को मिल जाते हैं। वह दाने लेकर फुर्र हो जाती है। इस कथा में जीवन की चुनौतियों का रूपक है। यह लोककथा हमें सिखाती है कि 'निर्बल को न सताइए'। यह लोक कथा अपार श्रम और यत्न करने का साहस और धैर्य भी देती है। इसी तरह, एक लोक कथा में एक लाल बुझक्कड़ चिड़िया की जान बचाने के लिए हार स्वीकार कर लेता। कथाकार को ऐसी जीत स्वीकार नहीं है, जिसमें किसी की मृत्यु या अहित छिपा हो। ऐसी कथाओं से हमारा नाता टूट गया है। पहले बच्चे को पांच साल का होने पर विद्यालय भेजा जाता था, तब तक वह ऐसी ही कहानियों के माध्यम से शिक्षित होता था। फिर वह कबीर आदि की बानी से परिचित होता था और उसे पता चलता था कि सांच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप। अब वह दो साल की उम्र से ही स्कूल भेजा जाने लगा है, तो कहानियों के लिए जीवन में अवकाश ही नहीं रह गया है। अंग्रेजी का लोभ और दबाव उसे संतों की बानी से दूर कर देता है। जैसे-जैसे हमारे जीवन से लोक कथाओं की विदाई होती गई है, वैसे-वैसे मानव मूल्यों की भी विदाई होती गई। इधर कुछ वर्षों से विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में मूल्य शिक्षा की बात होने लगी हैऔर मूल्य शिक्षा की पाठशालाएं खुलने लगी हैं, मगर लोक कथाओं की भरपाई शिक्षण संस्थानों में होने वाली मूल्य शिक्षा से नहीं हो सकती। इसकी पहली वजह यह है कि मूल्य शिक्षा देने की प्रविधि हम विकसित नहीं कर पाए हैं। मूल्य शिक्षा के केंद्र उपदेश को ही सही माध्यम पाते हैं। लेकिन उपदेशक प्राय-पर उपदेश कुशल बहुतेरे ही पाए जाते हैं। जो उपदेश दे रहे होते हैं, उसका रंच मात्र भी उनके जीवन में दिखाई नहीं देता। जीवन व्यवहार से मुक्त उपदेश प्रेरित करने की बजाय ऊब पैदा करते हैं, जबकि लोक कथाएं जीवन व्यवहार के भीतर से अत्यंत रोचक ढंग से बाल मन को प्रभावित करती हैं।

फिर मूल्य शिक्षा केंद्रों के भाग्य विधाता प्रायः ऐसे लोग होते हैं, जिन्हें मूल्य का अर्थ 'दाम' पता होता है। कितने का बजट है, उसे कैसे खर्च करना है, और बजट कैसे बढ़ाना है, वगैरह। लेकिन यह भी नहीं हो सकता कि हम समाज को धीरे-धीरे मूल्यहीनता की ओर धकेल दें, इसलिए शिक्षाविदों को इस चुनौती का सामना करना होगा और मूल्य शिक्षा के बेहतर उपाय खोजने होंगे। जब तक ऐसा नहीं हो पाता, हमें किसी न किसी तरह लोक कथाओं की ओर लौटना होगा। अगर हम लोक कथाओं से टूट गए संबंध को जोड़ सके, तो हमें मानव मूल्यों की रक्षा के लिए किसी प्रायोजित दिवस या केंद्र पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बाप-बेटे की जोड़ी ने भारत यात्रा के दौरान बनाया अनोखा गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड

दुबई।

भारत टूर के दौरान अबू धाबी के एक व्यक्ति और उसके पांच वर्षीय पुत्र ने 12 घंटे से भी कम समय में सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से अधिक से अधिक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों का भ्रमण कर गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाया है। खलीज टाईम्स में आज छपी खबर के अनुसार अबू धाबी का आईटी पेशेवर 36 वर्षीय मोहम्मद ताहिर अपने बेटे मोहम्मद अयान को अटल निश्चय का पाठ पढ़ाने और स्वदेश की संस्कृति के बारे में बताने के लिए उसके साथ मिलकर वर्ल्ड रिकार्ड कायम करना चाहता था। अखबार के अनुसार दोनों ने 11 घंटे, 33 मिनट और 18 सेंकेंड में करीब 300 किलोमीटर की दूरी तय कर सात धरोहर स्थलों का भ्रमण किया। पिछला रिकार्ड नीदरलैंड के दो व्यक्तियों ने बनाया था जिन्होंने 24 घंटे में अपना सफर पूरा किया था। ताहिर और अयान उत्तर प्रदेश में ताजमहल, आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी, राजस्थान में केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान एवं राष्ट्रीय राजधानी में हुमायूं का किला, लाल किला और कुतुब मीनार गये। उन्होंने इलेक्ट्रिक रिक्शा, ऑटो, कैब, सार्वजनिक बसें, ट्रेनें, मेट्रो और पैदल चलकर यह सफर तय किया। पिता-पुत्र दोनों ही एक टूर का हिस्सा थे जिसमें 22 साझेदार थे। इसका आयोजन भारत के एक्पीडिशंस एंड ट्रांसेंड एडवेंचर्स फर्म ने किया। ताहिर ने अखबार से कहा, ''गर्मी और उमस की वजह से मैं बहुत थक गया और काफी हद तक अयान भी। लेकिन समय समय पर तरल पदार्थ लेने से ऐसी स्थिति में मदद मिली।

वाजपेयी की विजन से अभी भी लाभान्वित हो रहे हैं भारत-अमरीका संबंध : पोम्पिओ

न्यूयॉर्क। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने आज कहा कि वाजपेयी ने बहुत पहले ही पहचान कर ली थी कि भारत-अमेरिका के बीच साझेदारी दुनिया में आर्थिक समृद्धि और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। दोनों लोकतंत्र आज भी उनकी इस दूर-दृष्टि से लाभान्वित हो रहे हैं। भारत के करिश्माई नेता, प्रेरक वक्ता और बेहद मजबूत प्रधानमंत्री रहे वाजपेयी का 93 वर्ष की आयु में कल दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। वह 11 जून से ही विभिन्न बीमारियों के कारण अस्पताल में भर्ती थे। पोम्पिओ ने कल एक बयान में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर अमेरिका के लोगों की ओर से मैं भारत की जनता के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करता हूं। भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनाने में वाजपेयी के योगदानों की दिशा में भारतीय आगे बढ़ेंगे। पोम्पिओ ने कहा कि उन्होंने देश के विकास के लिए अथक प्रयास किये और प्रत्येक भारतीय के जीवन स्तर को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता दिखायी।'' अमरीका के शीर्ष राजनयिक ने 2000 में वाजपेयी द्वारा अमेरिकी संसद के संबोधन को याद किया। इस संबोधन में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत-अमेरिका के बीच संबंध प्राकृतिक हैं।

पोम्पिओ ने कहा, वाजपेयी ने बहुत पहले ही पहचान लिया था कि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर अमेरिका और भारत एक ऐसी साझेदारी विकसित कर सकते हैं जो दुनिया और क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि तथा सुरक्षा में योगदान देगी। आज हमारे दोनों देश और हमारा द्विपक्षीय संबंध अभी भी पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की दूर-दृष्टि से लाभान्वित हो रहे हैं।

इमरान खान का पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान का पाकिस्तान का अगला प्रधानमंत्री बनना लगभग तय है क्योंकि संसद में आज होने वाले चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर दरार पैदा हो गयी है। पाकिस्तान के नेशनल एसेंबली के नए सदस्य आज प्रधानमंत्री का निर्वाचन करने के लिए बैठक कर रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 65 वर्षीय अध्यक्ष इमरान खान और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष शाहबाज शरीफ ने इस सदन के शीर्ष नेता के लिए नामांकन दायर किया है। क्रिकेटर से नेता बने खान की जीत लगभग सुनिश्चित है क्योंकि विपक्ष के महागठबंधन में पीएमएल-एन प्रमुख शाहबाज की उम्मीदवारी को लेकर दरार पैदा हो गयी। दोनों ही उम्मीदवारों के दस्तावेज की जांच अध्यक्ष कार्यालय ने करके उनके दस्तावेज स्वीकार कर लिए हैं।नेशनल असेंबली के स्पीकर असद कैसर के मुताबिक नए प्रधानमंत्री के चुनाव के लिए अपराह्न साढ़े तीन बजे संसद का सत्र बुलाया गया है।

अमरीकी सैन्य परेड अगले वर्ष तक स्थगित, नहीं मिली रक्षा मंत्री की मंजूरी

वाशिंगटन।

अमरीका के रक्षा मंत्रालय ने नवंबर में वाशिंगटन में आयोजित की जाने वाले सैन्य परेड को अगले वर्ष तक के लिए स्थगित कर दिया है। रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, हम 10 नवंबर 2018 में यह सैन्य परेड करना चाहते थे, लेकिन अब हम वर्ष 2019 में इसकी संभावनाएं तलाश करेंगे। इससे पहले एक अमरीकी अधिकारी ने परेड की जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रक्षा मंत्रालय से इस सैन्य प्रदर्शन का आयोजन करने की दर्खास्त की थी। इस परेड के

आयोजन पर नौ करोड़ अमेरिकी डालर का अनुमानित खर्च आना था। अधिकारी ने बताया कि 9.2 करोड़ की इस परेड को अभी तक रक्षा मंत्री जिम मैटिस से अनुमोदन नहीं मिला है। इस परेड में अमेरिका के स्वाधीनता संग्राम से अभी तक के अमेरिकी सेना के योगदान को प्रदर्शित किये जाने की योजना थी। अमेरिका के इसी योजना की अपने ही देश में कड़ी आलोचना भी जा रही थी।

संक्षिप्त समाचार

चीन के सर्च इंजिन को लेकर गूगल कर्मचारियों ने लिखा विरोध पत्र

वॉशिंगटन। चीन में प्रवेश की खातिर वहां के सेंसर युक्त सर्च इंजिन पर गूगल के कथित तौर पर काम करने के विरोध में कंपनी के एक हजार से अधिक कर्मचारियों ने पत्र लिख अपनी नाराजगी जताई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के मुताबिक कर्मचारी अधिक पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं ताकि अपने काम के नैतिक निहितार्थों को समझ सकें। टाइम्स के पास पत्र की प्रति है। इस पर 1,400 कर्मचारियों के हस्ताक्षर हैं। पत्र में कहा गया है कि सर्च इंजिन की परियोजना और चीन की सेंसरशिप जरूरतों को स्वीकार करने के प्रति गूगल का रूझान '' आवश्यक नैतिक और आचार संबंधी मुद्दों'' को उठाता है। इस महीने की शुरुआत में रिपोर्ट आई थी कि गूगल गोपनीय तरीके से एक सर्च इंजिन बना रहा जो चीन में प्रतिबंधित सामग्री को फिल्टर करेगा और इस तरह बीजिंग के सख्त सेंसरशिप नियमों का पालन करेगा। गूगल ने आठ वर्ष पहले सेंसरशिप और हैकिंग मुद्दों के चलते चीन से अपने सर्च इंजिन को हटा लिया था। बताया जाता है कि नई परियोजना का नाम कोड नाम 'ड्रैगनफ्लाई' है।

अमरीका: सिख व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या, 3 हफ्ते में तीसरी घटना

न्यूयॉर्क। न्यूजर्सी में एक सिख व्यक्ति की उसके ही स्टोर में चाकू मारकर हत्या कर दी गई। बीते तीन हफ्ते में अल्पसंख्यक सिख समुदाय के लोगों को निशाना बनाने की यह तीसरी घटना है। तरलोक सिंह कल उनके ही स्टोर में मृत मिले थे। उनके सीने में चाकू का जख्म था। एबीसी7एनवाई की एक रिपोर्ट के मुताबिक ऐसेक्स काउंटी अभियोजक कार्यालय इसे हत्या का मामला बता रहा है। हालांकि हत्या के पीछे का उद्देश्य फिलहाल ज्ञात नहीं है। बताया जाता है कि सिंह बहुत ही शालीन व्यक्ति थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और बच्चे हैं जो भारत में रहते हैं। उनके परिवार ने स्टोर बंद कर दिया है। इस घटना से सिख समुदाय गहरे सदमे में है। रिपोर्ट के मुताबिक सिंह बीते छह वर्ष से उक्त स्टोर चला रहे थे। नागरिक अधिकार संगठन सिख कोलिशन ने फेसबुक पोस्ट पर सिंह के परिवार, दोस्तों और स्थानीय समुदाय के लिए संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

पादरियों द्वारा बच्चों के उत्पीडऩ को वेटिकन ने बताया शर्मनाक

लॉस एंजिलैस। वेटिकन ने पेनसिल्वेनिया में एक ग्रैंड ज्यूरी की जांच रिपोर्ट में राज्य के छह डायोसिस में रोमन कैथलिक पादरियों द्वारा धार्मिक अनुष्ठानों, चिह्नों और नर्क में जाने की धमकी देकर 1000 से ज्यादा बच्चों का यौन उत्पीडऩ और बलात्कार किये जाने के मामले में 'शिर्मंदगी और दुख' जाहिर किया है। वेटिकन ने इस घटना को आपराधिक और नैतिक रूप से कलंकनीय बताते हुए कहा कि पोप फ्रांसिस इस तरह की घटनाओं को जड़ से खत्म करना चाहते हैं। वेटिकन सिटी के प्रवक्ता ग्रेग बुर्के ने पीड़ितों को आश्वस्त करते हुए कहा कि पोप उनके साथ हैं। पोप फ्रांसिस की तरफ से बयान नहीं जारी किया गया है और न ही वाशिंगटन के आर्चबिशप कार्डिनल डोनाल्ड वुरेल का इस्तीफा मांगा गया है। अमरीका के पेनसिल्वेनिया में एक ग्रैंड ज्यूरी ने अपनी जांच में पाया कि राज्य में रोमन कैथलिक पादरियों ने धार्मिक अनुष्ठानों, चिह्नों और नर्क में जाने की धमकी देकर 1000 से ज्यादा बच्चों का यौन उत्पीडऩ और बलात्कार किया। मंगलवार को जारी इस 884 पन्ने की जांच रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि पादरियों ने बच्चों के धार्मिक विश्वास और चर्च में विश्वास का इस्तेमाल यौन शोषण और अपराध के बाद उन्हें चुप कराने के लिए किया।इस रिपोर्ट में पादरियों द्वारा प्रताड़ित किए गए लोगों ने स्तब्ध कर देने वाली घटनाओं का जिक्र किया है।

राजनयिक विवाद के कारण संकट में कनाडाई हज यात्री, छात्र भी मुसीबत में

टोरंटो/ओटावा। कनाडा और सऊदी अरब के बीच जारी राजनयिक विवाद के कारण हज यात्रा करने जाने वाले कनाडाई मुस्लिमों तथा सऊदी अरब में रह रहे कनाडाई छात्रों को मुसीबतों सामना करना पड़ रहा है। इस विवाद के कारण सऊदी अरब में रहने वाले कनाडाई छात्र अपने सामानों को बेचने पर मजबूर है क्योंकि सऊदी सरकार ने उन्हें एक महीने में वापस अपने देश लौटने का आदेश दिया है। मस्जिद के इमाम अब्दुल्ला युसरी ने कहा, इनमें से कुछ छात्र एक सप्ताह पहले ही आये थे और वे लोग जाने के लिए तैयार है, जबकि कुछ सऊदी अरब में गर्मी की छुट्टियां मनाने के लिए आये थे और अब वे लोग अपना सामान बेचने आ रहे हैं। कनाडा के बहुत से मुस्लिमों ने सऊदी अरब के सरकारी विमानों में 19 से 24 अगस्त सऊदी अरब के मक्का में हज यात्रा करने के लिए टिकट बुक करा रखा है। हज यात्रियों की 13 अगस्त की यात्रा प्रभावित नहीं हुई थी। जावद चौधरी, जिनकी मां हज यात्रा पर सऊदी अरब गई हैं, ने कहा, हम लोग एक परिवार के तौर पर परेशान है ।

ब्रिटेन में दो मस्जिदों में को बनाया गया निशाना

लंदन। ब्रिटेन के बर्मिघम में दो मस्जिदों को रात में गुलेल और बॉल बेयरिंग से निशाना बनाया गया है। पुलिस ने आज बताया कि मस्जिद के बाहर सशस्त्र पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि शहर के स्मॉल हीथ इलाके में रात करीब 10 बजे (स्थानीय समयनुसार) वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस को मस्जिद कमर उल इस्लाम में बुलाया गया। इसके करीब 20 मिनट बाद नजदीक की अल-हिजराह मस्जिद में बुलाया गया। पुलिस ने कहा कि उन्हें कुछ बॉल बेयरिंग बरामद हुए हैं। ऐसा लगता है कि उन्हें गुलेल से दागा गया है जिसने ईशा (शाम) की नमाज के दौरान मस्जिद के शीशों को तोड़ दिया। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने एक बयान में बताया कि एहतियात के तौर पर सशस्त्र बल अधिकारियों को तैनात किया गया है। इस स्तर पर हमले का कारण साफ नहीं हुआ है लेकिन अधिकारी स्थानीय लोगों और नमाजियों को आश्वस्त करने के लिए इलाके में गश्त कर रहे हैं।

चीनः स्वाइन फ्लू प्रभावित शहर में बूचडख़ाना बंद करने के आदेश

बीजिंग।

चीन में घातक अफ्रीकी स्वाइन फ्लू (एएसएफ) के फैलाव को रोकने के लिए चीन सरकार ने सुअर मांस उत्पादक शीर्ष कंपनी ड ल्यूएच ग्रुप लिमिटेड के एक बड़े बूचडख़ाने को बंद करने का आदेश दिया है। चीन में केंद्रीय हेनान प्रांत में झेंगझोऊ शहर में संक्रमित सुअर पाए गए हैं। ताजा मामला सामने आने के बाद पशु स्वास्थ्य विशेषज्ञ खाद्य सुरक्षा डक्षचताओं से जनता को जागरुक कर रहे हैं। सुअरों में हो रही इस घातक बीमारी के लिये कोई टीका उपलब्ध नहीं है, संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक एएसएफ मनुष्यों को प्रभावित नहीं करता है। एएसएफ अफ्रीका के बाद रूस और पूर्वी यूरोप में पाया गया। एएसएफ इससे पहले पूर्वी एशिया में नहीं पाया गया था। स्वाइन फ्लू विनाशकारी बीमारियों में से एक है। यह जंगली सुअरों के बीच होता है, जो जानवरों के सीधे संपर्क से फैलता है। इसके अलावा दूषित भोजन, पशु चारे और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के माध्यम से भी फैल सकता है। डब्ल्यू एच समूह ने कहा कि गुरुवार को अत्यंत संक्रामक बीमारी से 30 सुअरों के मरने के बाद झेंगझोऊ शहर के अधिकारियों ने आदेश दिया है कि बूचडख़ाने को अस्थायी रूप से छह हफ्तों के लिये बंद कर दिया जाए। हेनान शुंगुई निवेश एवं विकास द्वारा संचालित 15 संयंत्रों में से एक है जिसमें सबसे ज्यादा सुअर का मांस उत्पाद किया जाता है। झेंगझोऊ शहर प्राधिकरण ने छह माह के लिए सभी प्रभावित क्षेत्रों में सुअर और उसका मांस लाने-ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

इंसानों की तरह इमोशंस रखता है ये रोबोट, बच्चों की तरह डरता है अंधेरे से

इंटरनैशनल डेस्क। इंसान को प्रकृति की सबसे उम्दा और खूबसूरत कृति माना जाता है। क्योंकि इंसान को प्रकृति ने विवेकशील बनाया है जिससे वो अपने अलावा दूसरे जीवों का भी ध्यान रख सकें लेकिन जहां मनुष्य ने अपने विवेक के जरिए कई आश्चर्यजनक आविष्कार किए हैं तो वहीं मनुष्य ने उसी विवेक का गलत इस्तेमाल करते हुए प्रकृति और पर्यावरण का विनाश लगभग निश्चत कर दिया है। आज हम आपको मनुष्य के सबसे बेहतरीन आविष्कार के बारे में बताने जा रहे हैं। जर्मनी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक शोध के मुताबिक,रोबोट को दिन-प्रतिदिन कुशल बनाने की होड़ में कंपनियां उसे इंसानों की तरह ही भावनात्मक शक्तियां देने में लगी हैं। जहां पहले रोबोट सिर्फ हाथ हिलाता था, तो वहीं अब वही रोबोट मनुष्य से दोस्ताना व्यवहार करना सीख गया है और लगातार ऐसा ही रहने पर भविष्य में तस्वीर बदल सकती है। आपको बता दें कि भविष्य में रोबोट मनुष्यों को अपनी इच्छानुसार काम करने के लिए प्रेरित भी कर सकता है और इसकी शुरूआत अभी से हो चुकी है।दुनिया के कई देशों की बड़ी कंपनियों ने अपने यहां लोगों को नौकरियों से निकाल कर रोबोट से काम करवाना शुरू कर दिया है। हाल ही में (रोबोट) पर किए गए एक शोध में पाया गया कि उसे अंधेरे में रखने पर वह अंधेरे से डर गया था। यही नही, इसके साथ ही ग्राउंडब्रैकिंग रिसर्च और डुइसबर्ग-एस्सेन विश्वविद्यालय की एक टीम ने अपनी एक शोध में निष्कर्ष निकाला कि मेचनोइड्स नामक रोबोट से उसी तरह व्यवहार किया जाना चाहिए जैसे वो किसी अन्य व्यक्ति के साथ व्यवहार करते हैं। साथ ही, रोबोट से किए गए दुर्व्यवहार को भी ग़लत माना जाएगा।

इटली पुल हादसा : मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका

गेनोवा।

इटली के उत्तरी बंदरगाह शहर गेनोवा में मंगलवार को गिरे पुल के मलबे में करीब 20 लोगों के अभी दबे होने की आशंका है। इस दुर्घटना में कम से कम 38 लोग मारे गए। इस बीच, सरकार ने पुल निर्माता कंपनी, जो देश की सबसे बड़ी टोल रोड ऑपरेटर है, के विरुद्ध भारी जुर्माना लगाने और कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। शहर के मुख्य मजिस्ट्रेट फ्रेंसेस्को कोजी ने कहा, मंगलवार को पुल पर खड़े वाहनों की संया और परिजनों से मिली सूचना के आधार पर यह माना जा रहा है कि मलबे में 10 से 20 लोग फंसे होंगे। आधिकारिक तौर पर इस दुर्घटना में 38 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस पुल का बीच का 80 मीटर का हिस्सा एक फैक्टरी और अन्य इमारतों पर गिर गया जिसकी वजह से नीचे जा रहे वाहन इसकी चपेट में आ गए और समीपवर्ती नदी के तट पर कंक्रीट का जबर्दस्त मलबा गिर गया। मिलान-सूचीबद्ध अंतरराष्ट्रीय टोल-रोड समूह अटलांटिया का हिस्सा ऑटोस्ट्रेड प्रति एल इटालिया ने मोटरवे पुल का निर्माता है। जांचकर्ता हालांकि अभी तक पुल गिरने के सही कारणों का पता नहीं लगा सके हैं। गुरुवार की सुबह पुल निर्माता कंपनी के शेयर बाजार में गंभीर झटका लगा जब अटलांटिया के शेयर 25 प्रतिशत गिर गए। पूर्व-खुले व्यापार में इसके शेयर में 50 प्रतिशत तक गिरावट के भी संकेत थे। इस इादसे के बाद इटली के परिवहन मंत्री डैनिलो तोनीनेली ने सरकारी टेलीविजन को बताया कि यह घटना दर्शाती है कि कहीं न कहीं इसकी मरम्मत में कमी रह गई है और दोषियों को कतई नहीं बख्शा जाएगा। विशेषज्ञों और 50 वर्ष पुराने पुल के पास रहने वाले लोगों ने कहा कि संरचना निर्माण के दो दशकों के भीतर से ही तरह-तरह की समस्याएं आ रही हैं। एक निवासी ने कहा कि 1980 के दशक तक कंक्रीट के टुकड़े पुल से गिर रहे थे। इटली के प्रधानमंत्री गिउसेप्पे कोंटे ने हादसे के बाद गेनोआ में आपातकाल घोषित कर दिया। गेनोआ इटली के व्यस्ततम बंदरगाहों में से एक तथा इस घटना के कारण फ्रांस के साथ जुड़े कॉरिडोर पर भी इसका असर पड़ा।

सऊदी द्वारा सीरिया को दी जाने वाली आर्थिक सहायता का, अमरीका ने किया स्वागत

इंटरनैशनल डेस्क।

अमरीका ने गुरुवार को सऊदी अरब द्वारा सीरिया को दी जाने वाली 10 करोड़ डालर की सहायता का स्वागत किया। अमेरिका ने कहा है कि सऊदी अरब सीरिया में आतंकवादी संगठन (आईएस) से मुक्त कराये जा चुके क्षेत्रों में पुनर्स्थापना के कार्यों के लिए यह सहायता राशि प्रदान करेगा। इससे अमरीका की विदेशों को दी जाने वाली सहायता राशि बचत होगी। अमरीकी विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, संकट के समय पुनर्स्थापना कार्यों के लिए दिया जाने वाला यह योगदान महत्वपूर्ण है। इस अभियान में यह समय महत्वपूर्ण है। अमरीका ने एक ओर सऊदी अरब द्वारा सीरिया को दी जाने वाली सहायता राशि का स्वागत किया वहीं दूसरी ओर अमेरिका के सहयोगी देशों से सीरिया में सुरक्षा और स्थिरता बहाली के उनके हिस्से के प्रयास करने की अपील की।

बयान में कहा गया, सीरिया में स्थिरता के लिए यहां की योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाना अत्यंत महत्वपूर्ण है ताकि आईएस यहां फिर से अपने पैर ना पसार सके।

उधना की छात्रा के साथ गैंगरेप

पांच महीनों से पांच आरोपी बना रहे थे हवस का शिकार

सूरत। शहर के उधना क्षेत्र में रहने वाली कक्षा 10 की छात्रा के साथ पांच दोस्तों द्वारा दुष्कर्म करने की घटना सामने आई है। उधना पुलिस ने छात्रा की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। जानकारी के अनुसार सूरत के उधना क्षेत्र निवासी छात्रा के साथ इंस्ट्राग्राम पर अमन नामक युवक ने दोस्ती की। दोस्ती के बाद दोनों के बीच बातचीत होने लगी और उस दौरान अमन ने छात्रा को मिलने के लिए बुलाया। अमन के बुलाने पर छात्रा उससे मिलने गई, जहां अमन ने उसकी कुछ तस्वीरें ले ली। इन तस्वीरों को एडिट कर अश्लील बना दी और सोशल मीडिया में वायरल करने के साथ ही उसके पिता को भेजने की धमकी देकर अमन ने अलग-अलग स्थलों पर छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। जिसके बाद अमन के दोस्तों,साहित और अजय समेत पांच लोगों ने भी तस्वीरे वायरल करने की धमकी देकर छात्रा के साथ दुष्कर्म किाय। पांच युवकों के यौन शोषण का शिकार छात्रा ने आखिरकार अपने माता-पिता को इसके बारे में बताया, ये बात सून कर माता-पिता चौक गए और पुलिस में पांचो युवकों को खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पीआई ए.पी परमार द्वारा धारा 376 में माला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरु की है।

बमरोली खाड़ी पुल के नीचे मिली व्यक्ति की लाश

मृत्क के हाथ पर इंडिया लिखा है

सूरत। शुक्रवार को सोसीयों सर्कल से बमरोली रोड़ जाते हुए खाड़ी ब्रीज के निचे खाड़ी के किनारे एक अनजान व्यक्ति की लाश मिली है। खटोदरा पुलिस लाश को कब्जे में लेकर मृतक कहा है और उसकी हत्या क्यो की गई इसकी तहकीकात कर रही है। खटोदरा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बमरोली खाड़ी पुल के निचे एक अनजान व्यक्ति की लाश मिली है। मृतक व्यक्ति की उमर लगभग 30 से 35 वर्ष होने का अनुमान लगाया जा रहा है। मृतक व्यक्ति के एक हाथ के उपर इंडिया लिखा हुआ है। मृतक के पोकेट में से एक महिला का फोटो मिला है। खटोदरा पुलिस लाश को कब्जे में लेकर मृतक की के परिवार वालों की खोज कर रही है। अभी तक मौत के कारणों का भी पता नहीं चल पाया है।

रक्षाबंधन के अवसर पर शहर की बस सेवा महिलाओं तथा बच्चों के लिए मुफ्त रहेगी

सूरत। महानगर पालिका द्वारा परिवहन सेवा बी.आर.टीएस. तथा सीटीबस की सुविधा शहर तथा आसपास के इलाकों में चल रही है। शहर के नागरीकों द्वारा बस सेवा का लाभ लिया जा रहा है, जिसके कारण दिन प्रतिदिन यात्रियों की संख्या बढती जा रही है। सूरत शहर में आने वाले रक्षाबंधन के दिन महिलाओं तथा उनके बच्चे जो 15 वर्ष से कम की आयु के है उसकी बी.आर.टीएस. बसों तथा सीटीबसों में फ्री में सफर कर सकेंगे ऐसी सूचना सूरत महानगर पालिका द्वारा दी गई है। ता. 26-8-2018 को रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार पर सूरत सीटीलिंग लि. अंतर्गत कार्यरत बीआसटीऐस बसो तथा सीटीबसो में तमाम महिलाओं तथा उनके बच्चों को फ्री में सफार करने की सुविधा दी गई है।

ट्रक-रिक्शा के बीच दुर्घटना, पांच की मौत

खेडा। महुधा-कठलाल रोड पर ट्रक और रिक्शा के बीच दुर्घटना होने पर मौत हुई थी। दुर्घटना की वजह से फिलहाल गांव में सनसनी मच गई थी महुधा पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस दुर्घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार, महुधा-कठलाल रोड पर सब्जी मार्केट स्थित है। रामना मुवाडा के के निवासी पांच लोग रिक्शा में बैठकर सब्जी लेने के लिए कठलाल स्थित सब्जी मार्केट में गये थे। इस दौरान तेजी से आ रहे ट्रक के चालक ने रिक्शा को चपेट में लेने पर दुर्घटना हुई है। यह घटना की जानकारी १०८ की टीम को मिलने पर १०८ की २ टीमें घटना स्थल पर पहुंच गई। यह दुर्घटना इतनी भयंकर थी कि रिक्शा में सवार पांच शख्सों को बाहर निकालने के लिए १०८ की टीम ने काफी प्रयास किया। एक साथ पांच लोगों की मौत से मृतकों का परिवार शोक में डूब गया। सभी मृतक रामना मुवाडा के मुस्लिम समाज के होने की जानकारी मिली है।

शहर के जुहापुरा क्षेत्र में भी भारी बारिश की वजह से घरों में पानी आ गया। धार्मिक क्षेत्र में पानी भर गया।

गोधरा में पांच इंच से ज्यादा बारिश, साणंद में चार इंच से ज्यादा

दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में भारी बारिश : कपडवंज में छह इंच बारिश

उत्तर गुजरात, मध्य गुजरात, दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के २१ से ज्यादा जिलों में भारी बारिश हुई : ८१ गांवों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर सहित राज्यभर में शुक्रवार को बारिश ने लंबे समय के आराम बाद धमाकेदार एन्ट्री की और तूफानी पारी खेलकर किसानों और लोगों को खुश कर दिया। लंबे समय के इंतजार बाद सूखे की पैदा हुई दहशत के बाद आयी शुक्रवार को बारिश को लेकर राज्य के किसान जगत में उनकी खरीफ फसल को जीवनदान मिल जाने से वह प्रसन्न हो गये। शुक्रवार को राज्य में अहमदाबाद,गांधीनगर, बडौदा, साबरकांठा, डांग, बनासकांठा, अरवल्ली, आणंद, जूनागढ़, बोटाद, तापी, भरूच, नवसारी, दाहोद, छोटा उदेपुर सहित के क्षेत्रों में भारी बारिश दर्ज की गई। उत्तर गुजरात, मध्य गुजरात, दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के २१ से ज्यादा जिलों में और ६० से ज्यादा तहसील-क्षेत्रों में आज अच्छी बारिश दर्ज की गई। छोटा उदेपुर में छह इंच से ज्यादा बारिश होने पर ओरसंग नदी में बाढ़ आ गया। नर्मदा नदी वर्षों के बाद दो किनारे से बहने लगी। राज्य में शुक्रवार को भारी बारिश को लेकर ८१ गांवों में बिज ली आपूर्ति ठप हो गई।

डांग में भी भारी बारिश के कारण पांच हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे। जि ले के १२ गांव संपर्क बिना के हो गये। डांग की अंबिका, पूर्णा, खापरी सहित की नदियों में बाढ़ का पानी आया था। छह कोज-वे तो पानी में डूब गया। बारिश ने शुक्रवार को अहमदाबाद, गांधीनगर सहित राज्यभर में सभी जगहों पर बारिश हुई। जिसमें सबसे ज्यादा असर नर्मदा और छोटा उदेपुर जिले में देखने को मिला। भारी बारिश की वजह से छोटाउदेपुर क्षेत्र से गुजरती ओरसंग नदी में बाढ़ आया है। पोइचा निकट त्रिवेदी संगम में नर्मदा नदी भी दो किनारे से बहने लगी। तीर्थधाम चाणोद में मल्हारराव घाट के २८ सीढ़ी बाढ़ के पानी में डूब गया। मध्यप्रदेश के अलावा छोटाउदेपुर और नर्मदा जिले में लगातार बारिश के कारण ओरसंग नदी दो किनारे से बहने से इसमें भी खोडा बाढ़ आया। नर्मदा के पोइचा में स्थित त्रिवेणी संगम में ओरसंग और नर्मदा का संगम पर पानी का जलस्तर बढ़ गया। जिसके कारण चाणोद-पोइचा और करनाली-पोइचा के बीच नावडी व्यवहार बंद करने के लिए प्रशासन द्वारा सूचना दी गई।

सौराष्ट्र में राजकोट, गोंडल, जसदण सहित के क्षेत्रों में धीरे धीरे बारिश हुई। जिसके कारण सौराष्ट्र के माहौल में ठंडक फैल गई। नवसारी जिले में बनासकांठा में दांतीवाडा सहित के कई बांध भर गये। बनासकांठा की अरवल्ली, मालपर कांकरेज, पालनपुर, डीसा, दियोदर सहित के क्षेत्रों में भारी बारिश दर्ज की गई इसी प्रकार से साबरकांठा में भी प्रांतिज, हिम्मतनगर, हमीरगढ पोशीना, इडर, विजयनगर सहित के क्षेत्रों में भारी बारिश दर्ज होने पर नदी-नाला में नये पानी की आय हुई। हमीरगढ रेलवे अंडरब्रिज पानी में डूब जाने पर पांच से ज्यादा गांवों को आवागमन में भारी परेशानी की स्थिति खड़ी हो गई थी। बडौदा में भी डभाई, वाघोडिया सहित के क्षेत्रों में बारिश ने धमाकेदार एन्ट्री की, जिसके कारण निचलेवाले क्षेत्रों में पानी भर गया। डभोई क्षेत्र में तो, लोगों के घरों में-सोसाइटी में बारिश का पानी आ गया। महीसागर जिले में भी भारी बारिश को लेकर कोज-वे पर पानी आने पर वाहनों के आवागमन बंद हो गया। तापी जिले में बारिश का रौद्र रूप देखने को मिलने पर गीरा नदी रौद्र रूप धारण कर लिया और १०० मीटर का रास्ता धुल गया। राज्यभर में ८१ से ज्यादा गांव में शुक्रवार को बिज ली आपूर्ति ठप हो गई। जिसे पहले जैसे बनाने के लिए प्रशासन काम में लग गया। हालांकि बारिश की धमाकेदार एन्ट्री से राज्यभर की जनता खुश हो गई है।

नदी में लगाई छलांग दोनों युवक-युवती की मौत

बहेरामपुरा के प्रेमी युगल की साबरमती नदी में छलांग

समाज के लोग एक नहीं होने देंगे इस डर से छलांग लगाकर आत्महत्या करने की आशंका : पुलिस जांच

अहमदाबाद। शहर के बहेरामपुरा क्षेत्र में रहते प्रेमी युगल ने गत दिन रात को साबरमती नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली।

फायरब्रिगेड की टीम को जानकारी देने पर करीब एक घंटे की मेहनत के बाद दोनों की खोज बीन करके शव को बाहर निकाला गया। साबरमती रिवरफ्रन्ट इस्ट पुलिस ने दुर्घटना से मौत दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है। समाज के लोग एक नहीं होने देंगे इस डर से नदी में छलांग लगाकर यह प्रेमी युगल ने आत्महत्या करने की आशंका रही है। हालांकि पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, फायरब्रिगेड कंट्रोलरुम को गत दिन रात को १० बजे के करीब मैसेज मिला कि गांधीब्रिज से नेहरूब्रिज के बीच प्रेमी युगल ने छलांग लगाई है। जिसके आधार पर फायरब्रिगेड के कर्मचारियों ने नदी में खोजबीन शुरू कर दी। करीब एक घंटे खोजबीन के बाद कामा होटल के पीछे के हिस्से में स्थित साबरमती नदी के वॉक वे के पास युवक-युवती का शव मिला। मृतक युवक का नाम चावडा किरणभाई हितुभाई (उम्र.२३) और युवती का नाम हिना परमार (उम्र. करीब १७) होने की जानकारी मिली है। दोनों युवक-युवती बहेरामपुरा के संतोषनगर के निवासी है। दोनों घर से साबरमती नदी में छलांग लगाने के लिए निकले थे उनके पीछे उनके रिश्तेदार भी पहुंच गये लेकिन बचाया जाए उसके पहले ही उन्होंने साबरमती नदी में छलांग लगा दी। मृतक युवक निजी कंपनी में नौकरी करता था। दोनों के परिज नों को यह घटना की जानकारी मिलने पर वह घटना स्थल पर पहुंच गये। पुलिस ने दुर्घटना से मौत दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है। हालांकि इस घटना की वजह से युवक-युवती के परिजनों और दोस्तों में भारी शौक की लहर फैल गई थी।

गुजरात के कई हिस्सो में भारी बारिश का पूर्वानुमान

अहमदाबाद। बंगाल की खाड़ी में पैदा हुए लॉ प्रेशर छत्तीसगढ़ और औड़िशा तक पहुंचकर डिप्रेशन में तब्दील हो गया है, यदि २४ घंटे में आगे बढ़कर गुजरात तक पहुंचेगी। यह अपर एयर सरक्युलेशन सिस्टम पैदा होने पर मॉनसून सिस्टम सक्रिय होने पर अहमदाबाद शहर सहित गुजरात के कई हिस्सों में अभी दो से तीन दिन तक भारी होने का पूर्वानुमान मौसम विभाग द्वारा व्यक्त किया गया है।

१ अगस्त को वलसाड, नवसारी, डांग, तपा सहित के क्षेत्रों में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया गया है। १८ अगस्त को डांग, तापी, भरूच, सूरत, बडौदा, अहमदाबाद, गीर-सोमनाथ, उत्तर गुज रात के क्षेत्र में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया गया है। इसी प्रकार से १९ अगस्त को नवसारी, सूरत, भरूच, गीर-सोमनाथ, ज ूनागढ़, द्वारका, पोरंदर और जामनगर सहित के क्षेत्रों में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया गया है।

पतेती त्यौहार को परंपरागत तरीके से मनाया गया।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com